जापानी कथन

जापानी संस्कृति में जीवन, प्रेम, प्रकृति और बुद्धिमत्ता पर विचार करने वाले अनेक निबंध और कहावतें हैं। यहाँ कुछ सुंदर जापानी उद्धरण हैं जो इन विषयों को संक्षिप्त रूप में व्यक्त करते हैं:

1. □□□□□□ **(नानाकोरोबी याओकी)** - "सात बार गिरो, आठवें बार खड़े हो जाओ।"यह कहावत दृढ़ता और लगन को उजागर करती है, सुझाव देते हुए कि किसी भी विफलता के बावजूद कभी भी हार नहीं माननी चाहिए।
2. □□□□ **(इचि-गो इचि-ए)** - "एक बार, एक मिलन।"यह वाक्य प्रत्येक मिलन की अनोखापन को जोर देता है, हर पल को पवित्र करने की सलाह देता है क्योंकि वह कभी नहीं आएगा।
3. □□□□ **(मोनो नो अवारे)** - "चिज़ों का दुःख।"यह जीवन और सौंदर्य की अस्थायी प्रकृति के प्रति गहरा संवेदनशीलता को व्यक्त करता है, एक को क्षणिक पलों और भावनाओं का आनंद लेने के लिए प्रेरित करता है।
4. □□□□ **(काचोफूगेट्सु)** - "फूल, पक्षी, हवा, चाँद।"यह वाक्य प्रकृति और बदलते मौसमों की सुंदरता का जश्न मनाता है, पारंपरिक जापानी संस्कृति की सौंदर्यबोध को व्यक्त करता है।
5. □□□□□□□□□□ **(उत्सुकुशिसा नि मिचिता सेकाई)** - "सौंदर्य से भरा हुआ संसार।"यह हर जीवन के पहलू में सौंदर्य को देखना और उसका आनंद लेना को प्रोत्साहित करता है, एक दृष्टिकोण जहां संसार स्वाभाविक रूप से सुंदर है।
6. □□□□□□□ **(उत्सुकुशिसा ओ तातेरु)** - "सौंदर्य की प्रशंसा करना।"यह वाक्य हमारे आसपास मौजूद सौंदर्य के प्रति प्रशंसा और सम्मान व्यक्त करने के बारे में है, सौंदर्य को स्वीकार करने की महत्वपूर्णता को उजागर करता है।
7. □□□□□□□□□□□□ **(इ नो नाका नो कवाज़ु, ताइकाई ओ शिराज़ु)** - "कुएँ में एक मेढक, महासागर को नहीं जानता।"यह अपने आसपास के तत्काल अनुभवों या अनुभवों से बाहर अपनी दृष्टिकोण को विस्तारित करने की याद दिलाता है।
8. □□□□□□□□ **(जिनसेई वा फूजेन नो तोमोशिबी)** - "जीवन एक हवा में चिराग है।"यह जीवन की नाजुक और क्षणिक प्रकृति पर विचार करता है, प्रत्येक पल का मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित करता है।
9. □□□□ **(काचोफूगेट्सु)** - यह भी एक दिन में सामान्य, प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है, प्रकृति के तत्वों के बीच एकता को जोर देता है।
10. □□□□□ **(इमा ओ इकिरु)** - "वर्तमान में जीना।"यह वर्तमान पल में पूरी तरह से जीने के लिए एक आह्वान है, चेतना और जीवन की क्षणिक सौंदर्य के दर्शन को स्वीकार करता है।